

# UP Board Solutions for Class 6 Hindi Chapter 5 मेरी माँ (मंजरी)

---

## प्रश्न-अभ्यास

### विचार और कल्पना

#### प्रश्न 1.

अगर घर की माताएँ पढ़ी-लिखी हों, तो वे घर को कैसे स्वर्ग बना सकती हैं? अपने विचार लिखिए।

#### उत्तर :

अगर घर की माताएँ पढ़ी-लिखी हों, तो वे घर में सुसंस्कृत परिवेश बनाए रख सकती हैं। वे बच्चों को स्वयं पढ़ा-लिखाकर उन्हें योग्य बनाने, पारिवारिक सदस्यों में सामंजस्य तथा सौहार्द्र बनाए रखने में सहायता कर सकती हैं।

### पाठ से

#### प्रश्न 1.

नीचे दिए गए प्रश्नों में उत्तर के रूप में तीन विकल्प दिए गए हैं। सही विकल्प पर सही का निशान लगाइए (निशान लगाकर) –

#### (अ) बिस्मिल की माँ का विवाह

(क) ग्यारह वर्ष की अवस्था में हुआ था।

(ख) अठारह वर्ष की अवस्था में हुआ था।

(ग) बीस वर्ष की अवस्था में हुआ था।

#### (ब) बिस्मिल के क्रान्तिकारी जीवन में उनकी माँ ने उनकी वैसी ही सहायता की, जैसी –

(क) भगत सिंह की उनकी माँ ने की थी।

(ख) चन्द्रशेखर आजाद की उनकी माँ ने की थी।

(ग) मेजिनी की उनकी माँ ने की थी।

#### (स) बिस्मिल ने माता को धैर्य धारण करने के लिए कहा; क्योंकि उनका पुत्र

(क) कायर का जीवन नहीं जीना चाहता था।

(ख) छिपकर नहीं रहना चाहता था।

(ग) भारत माता की सेवा में प्राणों की बलि चढ़ाना चाहता था।

#### प्रश्न 2.

बिस्मिल की माँ ने पढ़ना-लिखना कैसे सीखा?

#### उत्तर :

‘बिस्मिल’ की माँ ने घर पर ही सहेलियों की मदद से पढ़ना-लिखना सीखा।

**प्रश्न 3.**

रामप्रसाद बिस्मिल' ने कहा था, "इस संसार में मेरी किसी भी भोग-विलास तथा ऐश्वर्य की इच्छा नहीं, केवल एक तृष्णा है....." वह तृष्णा क्या थी? लिखिए –

**उत्तर :**

अमर शहीद रामप्रसाद 'बिस्मिल' की तृष्णा थी कि एक बार श्रद्धापूर्वक माँ के चरणों की सेवा कर अपने जीवन को सफल बना लेता।

**प्रश्न 4.**

इस पाठ की किन-किन बातों ने आपको प्रभावित किया? क्यों?

**उत्तर :**

इस पाठ में राम प्रसाद बिस्मिल को अपनी माँ के प्रति और भारत के प्रति जो आदर और श्रद्धा-भक्ति व्यक्त की है वह अनुकरणीय है। बिस्मिल के इन्ही गुणों ने मुझे बहुत प्रभावित किया। क्योंकि ये गुण सबमें नहीं पाए जाते।

**भाषा की बात****प्रश्न 1.**

'प्रबन्ध' में 'प्र', 'परिश्रम' में 'परि', 'अवलोकन' में 'अव', 'निर्वाह' में 'निर्' उपसर्ग लगे हैं। इन्हीं उपसर्गों की सहायता से तीन-तीन नए शब्द बनाइए (शब्द बनाकर) –

प्र	–	प्रवेश	प्रयोजन	प्रमुख
परि	–	परिमाण	परिवेश	परिक्रमा
अव	–	अवशेष	अवमानना	अवगुण
निर्	–	निर्जन	निरक्षर	निर्जीव

**प्रश्न 2.**

अवर्णनीय' में 'ईय' और 'धार्मिक' में 'इक' प्रत्यय है। इन प्रत्ययों की सहायता से चार-चार नए शब्द बनाइए (शब्द बनाकर) –

ईय	–	अकथनीय	असहनीय	दर्शनीय	अतुलनीय
इक	–	सामाजिक	मासिक	दैनिक	वार्षिक

**प्रश्न 3.**

निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए (संधि-विच्छेद करके) –

परमात्मा	–	परम + आत्मा	प्रत्येक	–	प्रति + एक
भोजनादि	–	भोजन + आदि	सदैव	–	सदा + एव

**प्रश्न 4.**

कोष्ठक में दिए गए कारक चिह्नों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (पूर्ति करके) –

(के, ने, को, की, में, से, के लिए)

- (क) शाहजहाँपुर आने के थोड़े दिनों के बाद दादी जी ने अपनी छोटी बहन को बुला लिया।  
(ख) तुम्हारी दया की छाया में मैंने अपने जीवन भर में कोई कष्ट न अनुभव किया।  
(ग) तुम्हारी दया से ही मैं देश-सेवा में संलग्न हो सका।  
(घ) आपके आदेश की पूर्ति करने के लिए मुझे अपनी प्रतिज्ञा भंग करनी पड़ी।

**प्रश्न 5.**

नीचे दिए गए वाक्यों को सही पदक्रम में लिखिए –

(क) बुला लिया अपनी छोटी बहन को दादी ने।

**उत्तर :**

दादी ने अपनी छोटी बहन को बुला लिया।

(ख) अवलोकन करने लगीं देवनागरी पुस्तकें वे।

**उत्तर :**

वे देवनागरी पुस्तकों का अवलोकन करने लगीं।

(ग) भंग करनी पड़ी थी मुझे अपनी प्रतिज्ञा।

**उत्तर :**

मुझे अपनी प्रतिज्ञा भंग करनी पड़ी थी।

(घ) ध्यान आ जाता तुम्हारी स्वर्गीय मूर्ति का मुझे।

**उत्तर :**

मुझे तुम्हारी स्वर्गीय मूर्ति का ध्यान आ जाता।

**प्रश्न 6.**

ग्यारह वर्ष की ..... कहते हैं।

अब आप नीचे लिखे वाक्यों को पढ़िए और उनके विशेषण भेद लिखिए (लिखकर) –

(क) सभी सदस्य खा रहे हैं। – अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(ख) कुछ लोग टहल रहे हैं। – अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(ग) मुझे दो दर्जन केले दे दो। – निश्चित संख्यावाचक विशेषण

(घ) मैंने चार रुपये का आम खरीदा। – निश्चित संख्यावाचक विशेषण